



कार्यक्रम में शामिल सीएसए के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता व अन्य।

गांधी और शास्त्री के जीवन से जुड़े आदर्शों पर हुई चर्चा

कानपुर, 2 अक्टूबर। सीएसए के गांधी भवन सभागार में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। सीएसए के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को दुनिया बापू के नाम से जानती है, और उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। कुलपति ने बताया कि गांधी जी ने देश को आजाद कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और इस दिन को विश्व अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है। कुलपति ने दोनों महान विभूतियों के चित्रों का अनावरण किया और उन पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अत्यंत प्रिय भजन रघुपति राघव राजा राम के सुमधुर और गरिमापूर्ण गायन के साथ किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को इन दोनों महापुरुषों के जीवन मूल्यों, सादगी, देशभक्ति और उनके विचारों से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित करना था।

राष्ट्रीय स्वरूप

महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उनके आदर्शों पर की गई चर्चा

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के गांधी भवन सभागार में



महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर संजीव गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को दुनिया बापू के नाम से जानती है, और उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि गांधी जी ने देश को आजाद कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और इस दिन को विश्व अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने

महात्मा गांधी और भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री दोनों के आदर्शों को अपनाने पर जोर दिया।

कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने दोनों महान विभूतियों के चित्रों का अनावरण किया और उन पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अत्यंत प्रिय भजन ऋषभपति राघव राजा रामऋ के सुमधुर और गरिमापूर्ण गायन के साथ किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को इन दोनों महापुरुषों के जीवन मूल्यों, सादगी, देशभक्ति और उनके विचारों से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित करना था।